



वर्ष 2018 में जब लॉस एंजलिस के पश्चिम में वूलसी वाइल्डलाइफ फायर का आतंक फैला तो वहाँ रहने वाली कई नाम चीन हस्तियों को बचाकर निकाला गया। इनमें से माइली सायरस, जैराड बटलर और नील यंग जैसी हॉलीवुड हस्तियों के घर तो पूरी तरह जल गए थे। चार साल बाद इनमें से अधिकांश हस्तियाँ फिर से अपने पैरों पर खड़ी हो गई हैं, पर यहाँ के कई निवासी अब भी उस आग का दुष्परिणाम झेल रहे हैं। इनमें प्रमुख हैं कूगर। लॉस एंजलिस (एल.ए.) के आस-पास माउन्टेन लायन (कूगर) को ट्रैक कर रहे वैज्ञानिकों ने पाया कि, पहले से ही जगह की कमी झेल रहे और परिणामस्वरूप सड़कों पर आवागमन के लिए बाधय इन बड़े जानवरों ने वूलसी फायर के बाद और अधिक खतरे उठाने शुरू कर दिए हैं। वैज्ञानिकों ने जी.पी.एस. कॉलर्स की मदद से सैंटा मोनिका पहाड़ियों में लगी आग से पहले और बाद की, कूगर की गतिविधियों की तुलना की तो पता चला कि इन जानवरों ने आधे से ज्यादा अपने वो पूर्व आवास त्याग दिए हैं जहाँ आग लगी थी। इस घटना के बाद से ये अब और ज्यादा खतरा उठाने लगे हैं, जैसे हाइवे क्रॉस करना, दिन दहाड़े खुले आम घूमना आदि। इससे, इन जानवरों के दुर्घटनाग्रस्त होने और मरने का खतरा बढ़ गया है। विश्व के बड़े शहरों में सिर्फ एल.ए. और मुम्बई ही हैं, जहाँ बिगकैट्स शहर की सीमा के भीतर रहते हैं। नैशनल पार्क सर्विस व इसके सहयोगी दो दशकों से कैलिफोर्निया की सैंटा मोनिका पहाड़ियों के आस-पास तथा सैंटा सुज़ैनास व सैंटा एना में रहने वाले कूगर का अध्ययन कर रहे हैं। लगभग 1.8 करोड़ लोगों के समीप रहना वैसे भी कूगर के लिए गंभीर खतरा है। सैंटा मोनिका पहाड़ियों का एक क्षेत्र, जो यू.एस. हाइवे 101 के दक्षिण में है, वहाँ 8 नर कूगर रहते हैं, जबकि यह क्षेत्र एक या दो कूगर के रहने योग्य ही है। ऐसी छोटी जगहों में कूगर का आपसी टकराव बहुत बड़ा खतरा है और अल्प वयस्क कूगर की मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। यहाँ पर पूर्ण वयस्क कूगर द्वारा वयस्क मादा व उसके शवकों को मार डालने की कई घटनाएँ हुई हैं। भारी यातायात वाली सड़कों की वजह से इनके प्राकृतिक आवास विखंडित हैं। अगर यही स्थिति जारी रही तो स्थानीय आबादी लुप्त हो जाएगी। एक शोध में सैंटा मोनिका व सैंटा एना पहाड़ियों के कूगर में अन्तः प्रजनन के विज्ञानिक संकेत भी मिले, जिसकी वजह से कुछ कूगर में विकृतियाँ पाई गई हैं। नई रिसर्च के अनुसार वूलसी फायर ने पहले से संकटग्रस्त कूगर आबादी के लिए संकट और बढ़ा दिया है।

## सुप्रीम कोर्ट के निर्णय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)  
“भेदभाव के संवैधानिक रूप से निषिद्ध स्वरूपों” के समान है।

कापू, जाट, मराठा या पाटीदार सहित विभिन्न समुदायों की आरक्षण की माँग अब तक इसी आधार पर खारिज की जाती रही है कि 50 प्रतिशत कोटा

स्वतंत्र भारत में, जातिगत जनगणना जैसी कोई चीज नहीं हुई। अंतिम जातिगत गणना बहुत पहले 1931 में हुई थी।

सर्वोच्च न्यायालय के आज के फैसले के साथ ही, इस बात की पूरी संभावना है कि ओ.बी.सी. नेता एवं

■ पर, जैसा कि, माना जाता है, असल में ओ.बी.सी. समुदाय की जनसंख्या 50 प्रतिशत से ज्यादा है, अतः अगर जनसंख्या के आधार पर आरक्षण देना तय किया जायेगा, तो ओ.बी.सी. को ही शिक्षा व रोजगार में दिया जा रहा 27 प्रतिशत का आरक्षण बढ़ाने की मांग जोरों से उठेगी।

को सीमा का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। आने वाले दिनों में, इन माँगों के पुर्नजीवित संभावना है।

ब्रिटिश शासनकाल में भी एस.सी./एस.टी. को उनकी जनसंख्या के अनुपात के अनुरूप आरक्षण दिया जाता था। लेकिन मंडल आयोग की सिफारिशों के अनुसार, ओ.बी.सी. को केवल 27 प्रतिशत आरक्षण ही दिया गया, जबकि अनधिकृत अनुमानों के अनुसार, ओ.बी.सी. भारत की कुल जनसंख्या के 50 प्रतिशत से ज्यादा है।

## मु.मंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली, 7 नवंबर (वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मनी लॉडिंग और खनन पट्टा हासिल करने के आरोपों पर सोमवार को राहत का फैसला सुनाया। मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित और न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने मुख्यमंत्री सोरेन को उनकी और राज्य सरकार की अपील पर राहत दी। पीठ ने मुख्यमंत्री सोरेन पर सुखौटा (शेल) कंपनियों के सहारे मनी

लॉडिंग और खुद के लिए एक खनन पट्टा हासिल करने के आरोपों के संबंध में दायरा जनहित याचिकाओं को सुनवाई योग्य करार देने के झारखंड उच्च न्यायालय के एक फैसले को सोमवार को रद्द कर दिया। शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ की ओर न्यायमूर्ति धूलिया ने यह फैसला सुनाया। मुख्यमंत्री सोरेन ने जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करने के उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

## हमलावर की गोली से घायल इमरान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)  
कर दी हैं।

इमरान के प्रचार-अभियान के दो प्रमुख आधार या मुद्दे हैं। पहला मुद्दा यह है कि अमेरिका उन्हें पाकिस्तान की सत्ता से बाहर खरना चाहता है तथा यही कारण है कि उन छोटे-मोटे दलों के अलावा सभी बड़े राजनैतिक दल, जैसे-पाकिस्तान पीपुल पार्टी तथा मुस्लिम लीग-उनका विरोध कर रही हैं।

पी.टी.आई. तथा अमेरिका के बीच विरोध उस समय शुरू हुआ, जब इमरान खान ने अफगान-युद्ध में अमेरिका तथा नाटो ताकतों को पारगमन सुविधाएं (ट्रांजिट फैसिलिटीज) देते रहने से इनकार कर दिया था। प्रथममंत्री बनने के बाद, इमरान ने यह बयान दिया था कि अफगान-युद्ध 'एक अन्य देश का युद्ध' है। इसलिये, पाकिस्तान इसमें क्यों उलझे।

इसलिये अमेरिका के सामने गम्भीर समस्या खड़ी हो गई थी तथा एक प्रकार से, यह समस्या ही अफगानिस्तान से अमेरिका की अपमानजनक वापसी का एक कारण बन गई थी।

इस सन्दर्भ में, इमरान द्वारा यूक्रेन-युद्ध के दौरान भारत की विदेशी नीति की

मुक्त कंठ से की गई प्रशंसा भी उल्लेखनीय है।

(जातव्य है कि दोनों ही) पक्ष भारत का समर्थन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। इमरान ने भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदते रहने तथा हमले के लिये रूस की निन्दा करने के संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रस्ताव के विपक्ष में वोट दिये जाने का विशेष रूप से उल्लेख किया था। इमरान ने उस समय कहा था भारत "एक स्वतन्त्र देश के लिये उपयुक्त स्वतन्त्र विदेश नीति" पर चल रहा है। पाकिस्तान के सामान्य लोगों ने अफगान युद्ध पर इमरान खान के रूख तथा अपनी "स्वतन्त्र" विदेश नीति पर जमे रहने की कोशिश को सिर-आँधों पर लिया था। इस नीति का सार तत्व यह था कि अमेरिकन सेना द्वारा अमेरिका के रूख का समर्थन किया जाना स्वाभाविक था तथा इसलिये अमेरिकन सेना इमरान का विरोध करती रही, जिसका अन्त इमरान सरकार के गिर जाने के रूप में हुआ।

पाकिस्तानी सेना का एक मात्र उद्देश्य एवं लक्ष्य भारत का विरोध करना रहा है तथा इन्हीं प्रयासों के अन्तर्गत, पाकिस्तानी सेना अमेरिका से

### 50 पाक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पचास लोगों का एक जल्था कल रात जम्मू तवी एक्सप्रेस के जरिये बड़ी संख्या में पाक विस्थापितों के पहुंचने की सूचना मिली ले सीआईडी की एक टीम रेलवे स्टेशन पहुंच गई। इस टीम ने सभी को एक तरफ बैठा दो घंटे तक पूछताछ की। इस पूछताछ में सामने आया कि ये लोग पाकिस्तान से धार्मिक वीजा के आधार पर वाचा बॉर्डर से अटारी पहुंचे। अटारी से हरिद्वार जाने के बजाय ये लोग सीधे जोधपुर आ गए। जोधपुर पहुंचने के पीछे इन्का तर्क है कि ये लोग यहां पर रहने के लिए आए हैं। सिर्फ धार्मिक वीजा के नाम पर ही आने की अनुमति मिलती है। ऐसे में इस अनुमति के आधार पर भारत में प्रवेश कर ये लोग जोधपुर आ गए। पाक विस्थापित एक वाहन में सवार होकर अपने रिश्तेदार के यहां गए।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में बरसों से धार्मिक उत्पीड़न का शिकार होने वाले पाक हिन्दू भारत आना चाहते हैं, लेकिन वीजा मिलना इतना आसान नहीं होता।

भारत में प्रवेश करने के बाद हरिद्वार के अलावा अन्य किसी भी शहर में जाने के लिए एडिशनल वीजा मिलने के बाद ही ये लोग उसमें दी गई अनुमति के आधार पर अन्य स्थान पर जा सकते हैं। इसके बाद ही इन लोगों को लॉग टर्म भारत में रहने की वीजा मिलता है, जिसके आधार पर बाद में तय शर्त पूरी कर ये लोग भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बताया जा रहा है कि 36 पासपोर्ट धारकों का एक रिश्तेदार देचू के समीप एक खेत में काम करता है।

ये सभी लोग उसके पास गए हैं। अन्य 14 पासपोर्ट धारक जोधपुर में अपने एक रिश्तेदार के पास ठहरे हैं।

## आयकर छापे में तीन व्यापारियों के पास 70 करोड़ रू. की अघोषित संपत्ति मिली

बीकानेर, 7 नवम्बर (कासं)। बीकानेर जिले के तीन व्यापारियों के चालीस ठिकानों पर हुई छापेमारी की कार्रवाई में आयकर विभाग को करीब 70 करोड़ रुपये की अघोषित आय मिली है।

इसमें सर्वाधिक 52 करोड़ रुपये की अघोषित आय नोखा के श्रीनिवास झंवर के यहां मिली है। जबकि बीकानेर के व्यापारी जुगल राठी के यहां दस करोड़ और धनपत चायल के यहां आठ करोड़ रुपये की अघोषित आय मिली है। छानबीन पूरी होने के साथ ही अधिकारी वापस लौट गए हैं लेकिन जांच में ये अघोषित आय घट भी सकती है और बढ़ भी सकती है।

## कांग्रेस पार्टी और भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर हैण्डल पर प्रतिबंध लगा

बैंगलुरु, 7 नवम्बर। बैंगलुरु की एक अदालत ने कांग्रेस पार्टी और भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर हैंडल को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। कॉपीराइट उल्लंघन को लेकर केजीएफ चैप्टर 2 फेम एमआरटी म्यूजिक शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद कोर्ट ने यह आदेश दिया। दरअसल कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा से संबंधित एक वीडियो तैयार किया था। म्यूजिक लेबल का दावा है कि, उनकी फिल्म के गानों का इस वीडियो के लिए इस्तेमाल किया गया है, जबकि इसके सभी म्यूजिक राइट्स उनके पास हैं। बैंगलुरु की एक कर्मस्थल कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया कि भारतीय

# ‘कोटपूतली नगर परिषद के अफसरों के खिलाफ कार्यवाही क्यों ना की जाये?’

राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटपूतली नगर परिषद द्वारा सरदार स्कूल रोड के पास शनि मंदिर के समीप की दुकानों और मकानों में तोड़फोड़ करने से संबंधित एक मामले में दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। न्यायाधीश एम.एन. श्रीवास्तव तथा मनोज भारवानी की खंडपीठ ने कोटपूतली नगर परिषद आयुक्त फतेह सिंह मीणा को नोटिस जारी किये हैं और उनसे जवाब मांगा है कि उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही क्यों ना की जाये?

इस मामले में याचिकाकर्ता हरि प्रसाद शर्मा की ओर से अधिवक्ता अचिंत बोहरा पेश हुए। याचिकाकर्ता का कहना है कि दिसम्बर माह में तत्कालीन नगर पालिका ने उसे व कई अन्य को नोटिस दिया था कि सड़क पर किसी भी प्रकार के अवैध निर्माण को हटा लिया जाये, जबकि याचिकाकर्ता ने कभी भी किसी भी सरकारी जमीन का अतिक्रमण नहीं किया और अपने ही स्वामित्व की जमीन पर कांिज था। फिर भी याचिकाकर्ता का मकान नगर पालिका ने अगस्त में बिना नोटिस दिए 2.5 फीट तक तोड़ दिया और इसमें कानूनी प्रक्रिया का पालन भी नहीं

■ जैसा कि विदित है कि हाईकोर्ट ने 25 फरवरी को याचिकाकर्ता को राहत देते हुए नगर परिषद को आदेश दिये थे कि वह एक माह में संबंधित पार्टियों को नोटिस दे और उनकी आपत्तियों को सुनवाई करे तथा उसके बाद ही कोई कार्यवाही करे।

■ याचिकाकर्ता का कहना है कि, नगर परिषद ने हाईकोर्ट के आदेशानुसार कोई भी नोटिस नहीं दिये और अगस्त माह में उनका घर 25 फीट तक तोड़ दिया।

किया गया।

याचिकाकर्ता ने जनवरी माह में नगर परिषद द्वारा जारी नोटिस के खिलाफ भी अदालत का दरवाजा खटखटाया था क्योंकि प्रशासन ने ऐसा माहौल बनाया हुआ था कि उक्त क्षेत्र में कई मकानों का ध्वस्त किया जाएगा।

इसी मामले में याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष भी अपील दायर की थी ताकि उन्हें नगर परिषद द्वारा किसी भी कार्यवाही के खिलाफ अंतरिम सुरक्षा के रूप में रस्टे मिल सके। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 25 फरवरी 2022 को याचिकाकर्ता को

### जालोर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभिन्न भागों से प्रवासी पक्षियों का भारत की और आना प्रारंभ होता है। हजारों किलोमीटर की लंबी दूरी में सुदूर यात्रा कर यह पक्षी भारत आते हैं।

तालाब पानी के आस-पास रहने वाली कई पक्षी-प्रजातियाँ केवल छिछले पानी में पाई जाती हैं। इस दृष्टि से सुन्देलाव तालाब अत्यंत अनुकूल है। तालाब के कई हिस्सों में आधा फुट से कम पानी है। ऐसे हिस्सों को वैटलैंड भी कह सकते हैं। इसलिए, इसके आस-पास पर्याप्त जैव-विविधता है। अमूर फाल्कन का अपनी यात्रा के दौरान यहाँ रुकना एक शुभ संकेत है। तालाब का प्राकृतिक स्वरूप बनाए रखने के लिए इसे कचरे और मानवीय हस्तक्षेप से बचाने की आवश्यकता है।

जैसा कि विदित है कि हाईकोर्ट ने 25 फरवरी को याचिकाकर्ता को

राहत देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता तथा अन्य संबंधित मामलों में नगर परिषद नये नोटिस जारी करे और एक माह में उनकी आपत्तियाँ सुनकर उनका निस्तारण करके ही आगे कोई कार्यवाही करे।

अदालत ने कहा था कि सभी संबंधित मामलों में दुकानदारों व मकान मालिकों को नगर परिषद के किसी भी फैसले को हाईकोर्ट के समक्ष चुनौती देने के लिये 15 दिन का समय भी दिया जाता है।

याचिकाकर्ता हरिप्रसाद शर्मा का कहना है कि नगर परिषद ने हाईकोर्ट के 25 फरवरी को दिये गये फैसले को अवहेलना करते हुए उन्हें कभी कोई नोटिस नहीं दिया और ना ही सुनवाई की और उनके मकान को 25 फीट अंदर तक तोड़ दिया। जिसकी अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने नोटिस जारी किये।

### तेलंगाना के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रवृत्ति भी दिखाई देी है कि भाजपा ऐसा कोई उपचुनाव नहीं जीत पाई है, जो उसने राज्य पर जबरदस्ती थोपा है। इस विधानसभा सीट के कांग्रेस विधायक से भाजपा ने पार्टी तथा इस सीट से इस्तीफा दिलाकर, यह सीट खाली कराई थी। इस प्रकार, यह चुनाव वस्तुतः राज्य पर भाजपा द्वारा थोपा गया चुनाव था तथा टी.आर.एस. ने भाजपा के इस षडयंत्र को जनता के सामने खोलकर रखा दिया था। लेकिन भाजपा इस रूप में जरूर अपनी योजना में कामयाब रही कि उसने कांग्रेस के इस ताकतवर विधायक को उससे दूर करके, पहले ही कमजोर हो चुकी कांग्रेस को और भी कमजोर कर दिया।

भाजपा की चालाकी और चालबाजी का उसी की भाषा में जवाब देने के लिये, टी.आर.एस. ने भी एक खेल खेला। उसने अपने विधायकों को कथित रूप से खरीदे जाने का आरोप भाजपा पर लगा दवा तथा इस प्रकार इस उपचुनाव में, अवधारणा निर्मित करने की युक्ति और लड़ाई भी अस्तित्व में आई।

टी.आर.एस. और तेलंगाना सरकार ने अपनी पूरी ताकत प्रचार-प्रसार एवं दुष्प्रचार में लगाते हुये, भाजपा पर सीधे प्रहार किये तथा चुनाव से एक दिन पूर्व राजनैतिक स्टंट और धन बल के खुले खेल के सहारे इस उपचुनाव में, मामूली अंतर से ही सही, कामयाबी हासिल कर ली।

10,000 वोटों के मामूली अंतर से मिली इस जीत में, कांग्रेस का बड़ा योगदान रहा। कांग्रेस को महसूस हो गया था कि वह इस सीट को जीतने की स्थिति में नहीं है तथा इसलिए अपना ध्यान भाजपा को हराने पर अपने दलबदलू नेता, भाजपा प्रत्याशी राजगोपाल रेड्डी को सबक सिखाने पर ध्यान केन्द्रित किया।

जहाँ तक सत्तारूढ़ टी.आर.एस. का प्रश्न है, मुनोगोड उपचुनाव का परिणाम उसे झकझोर कर जगाने का काम करेगा।

यह परिणाम साफ इशारा कर रहा है कि अगले वर्ष होने वाले विधानसभा आम चुनावों में होने वाली लड़ाई किस किस्म की तथा किस रूप में होगी। उन चुनावों में, टी.आर.एस. को एक कृत संकल्प भाजपा से लड़ना होगा, जो राज्य में दिन-पर-दिन आगे बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस पार्टी और भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर हैंडल को अस्थायी रूप से ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। कॉपीराइट उल्लंघन को लेकर केजीएफ चैप्टर 2 फेम एमआरटी म्यूजिक शिकायत दर्ज करवाई थी, जिसके बाद कोर्ट ने यह आदेश दिया। दरअसल कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा से संबंधित एक वीडियो तैयार किया था। म्यूजिक लेबल का दावा है कि, उनकी फिल्म के गानों का इस वीडियो के लिए इस्तेमाल किया गया है, जबकि इसके सभी म्यूजिक राइट्स उनके पास हैं। बैंगलुरु की एक कर्मस्थल कोर्ट ने सोमवार को निर्देश दिया कि भारतीय

राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके आंदोलन भारत जोड़ो यात्रा के ट्विटर हैंडल को अस्थायी रूप से ब्लॉक किया जाए। कोर्ट ने फैसला सुनाया कि अगर साउंड रिकॉर्ड्स के अवैध इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया गया तो इससे म्यूजिक लेबल को नुकसान होगा और बड़े पैमाने पर पाइरेसी को बढ़ावा मिलेगा। कोर्ट ने आगे कहा, 'शिकायतकर्ता ने विशेष रूप से सीडी पेश की और

आयकर विभाग के अधिकारियों ने चार दिन तक लगातार छापेमारी करते हुए रिकॉर्ड्स पकड़ित किए। इस दौरान बैंकों में लॉकर भी व घरों में यहां-वहां एक-एक कागज की खंगाला गया। तीनों व्यापारियों के करीब चालीस ठिकानों पर हुई कार्रवाई में अघोषित संपत्ति का पता लगाया

गया। सबसे ज्यादा नोखा के व्यापारी श्रीनिवास झंवर के आवास व ऑफिस में मिला।

इस दौरान कई जमीनों के कागजात भी आयकर विभाग ने कब्जे में लिए हैं। वहीं नकद राशि, जेवरत भी रिकॉर्ड पर लिए गए हैं। श्रीनिवास झंवर और उनसे जुड़े दस लोगों के यहां सबसे ज्यादा, 52 करोड़ रुपये के झंवर गुप के पास मिले।

■ बीकानेर के व्यापारी जुगल राठी के यहां दस करोड़ और धनपत चायल के यहां आठ करोड़ रुपये की अघोषित रकम मिली।

■ फिल्म के.जी.एफ. चैप्टर-2 फेम म्यूजिक कंपनी ने कांग्रेस के खिलाफ बैंगलुरु की एक कर्मस्थल कोर्ट में बिना इजाजत के फिल्म का म्यूजिक एवं गाने इस्तेमाल करने की शिकायत की थी।

अवैध रूप से इस्तेमाल किए गए गानों के संस्करण के साथ मूल गाने को दिखाया।

कोर्ट के समक्ष प्रथम दृष्टया यह स्थापित होता है कि अगर इसे बढ़ावा दिया जाता है तो वादी को रिसेमैट्रीऑफ़ी, फिल्मों, गीतों, संगीत एल्बम को प्राप्त करने के लिए बिजनेस में नुकसान होगा। साथ ही आगे भी पाइरेसी को प्रोत्साहन मिलेगा।

### अखिलेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)  
के सबसे सीनियर पूर्व छात्रों ने किया। उसके बाद वर्तमान छात्रों ने ही स्कूल बंद बनाया।

मुख्य आतिथ्य व सभी मेहमानों ने वर्तमान छात्रों की जम के तारीफ़ की। पूर्व छात्रों ने स्कूल के एक गार्ड रूम का उद्घाटन किया। पूर्व छात्रों ने अपने पुराने दिनों की याद में छोटे-छोटे कार्यक्रम भी आयोजित किए। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को पुरस्कार दिए। प्राचार्य लीफ्टेन्ट कर्नल श्याम कृष्णा टी. पी. ने भी मुख्य अतिथि अखिलेश यादव को उनके इस क्षण की साधारण बनाने के लिए स्मृति चिन्ह के साथ एक पोस्टर दिया। इस पोस्टर में उनके द्वारा विद्यालय में बिताये गए दिनों के कुछ फोटोज का कोलाज बना हुआ था और उनका आभार व्यक्त किया गया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को पुरस्कार दिए। प्राचार्य लीफ्टेन्ट कर्नल श्याम कृष्णा टी. पी. ने भी मुख्य अतिथि अखिलेश यादव को उनके इस क्षण की साधारण बनाने के लिए स्मृति चिन्ह के साथ एक पोस्टर दिया। इस पोस्टर में उनके द्वारा विद्यालय में बिताये गए दिनों के कुछ फोटोज का कोलाज बना हुआ था और उनका आभार व्यक्त किया गया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

अंत में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और जीवन में अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया और एक छात्र के रूप में स्कूल में बिताए अपने दिनों को भी साझा किया।

## यूक्रेन व रूस के बीच...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को एक प्रैस विज्ञप्ति के अनुसार विविध कार्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

वाशिंगटन स्थित एक रिसर्च इंस्टीट्यूट-एशियन स्टडीज सेंटर एट द हैरिटेज फाउण्डेशन के निदेशक जैफ एम. स्मिथ ने कहा कि "चूंकि भारत की दोनों पक्षों तक पहुंच है, इसलिए उसे एक संभावित शांति स्थापक के रूप में उत्तरोत्तर देखा जा रहा है। यदि रूस और यूक्रेन एक तटस्थ थर्ड पार्टी मध्यस्थ में अपनी रूचि दर्शाते हैं तो भारत इसके लिए एक मजबूत प्रत्याशी होगा क्योंकि उसे दोनों पक्षों से विश्वसनीयता प्राप्त है।" एन. वॉय. टी. की खबर के अनुसार प्रथममंत्री मोदी के राष्ट्रपति पतिन से अच्छे संबंध हैं और वह रूस से सीधे बात कर सकते हैं। हालांकि भारत रूस से लगातार तेल खरीद रहा है और उसके खिलाफ लाए जाने वाले प्रस्तावों का समर्थन करने से इनकार कर रहा है, जिससे यूक्रेन और अमेरिका आक्रोशित हैं, लेकिन भारत का मानना है कि रूस को कोसने से कुछ भी हासिल नहीं होगा, जबकि सार्वजनिक रूप से तटस्थ रहना युद्ध समाप्ति के प्रयासों के लिए उपयोगी हो सकता है।

खबर में बताया गया कि गत सितम्बर माह में उजबेकिस्तान में आयोजित एक क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी ने कहा था कि पूरी दुनिया इसकी कोमत चुका रही है। उन्होंने पुतिन से कहा था कि "आज का युग युद्ध का नहीं है" वह चाहते हैं कि इस पर चर्चा की जाए कि हम शांति के मार्ग पर किस प्रकार से आगे बढ़ सकते हैं। खबर में मोदी को पिछले कई दशकों में भारत के सर्वाधिक सशक्त प्रधानमंत्री की संज्ञा देते हुए कहा गया कि वह भारत की गुटनिरपेक्ष परम्परा को नए सिरे से गढ़ कर सभी के साथ वाली अधिक प्रभावशाली रणनीति बनाने की कोशिश कर रहे हैं, और वह दुनिया के सबसे बड़े संकट को हल करने की कोशिश कर रहे हैं जो लगता है कि इतिहास में भारत के महानतन नेताओं में से एक बनने की उनकी महत्वाकांक्षा के उपयुक्त है।

कूटनीतिक कहते हैं कि वर्तमान घटनाक्रम का एक अन्य आयाम यह है कि भारत, इज़रायल और यू.ए.ई. द्वारा संयुक्त मध्यस्थता के प्रयास हो सकते हैं। खबर ने भारत में पूर्व राजदूत रहे अकेन जस्टर को उद्धृत करते हुए कहा

कि इसे एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि "ये तीनों देश एक साथ मिलकर काम कर रहे होंगे और यूक्रेन के साथ विवाद को लेकर संभवतया रूस का रूख करेंगे। यह अन्तर्राष्ट्रीय सिस्टम के लचीलेपन और उसमें आए बदलावों को स्पष्ट करता है।" कैथ्य जस्टर ने आगे कहा कि भारतीय विदेश सेवा में काफी दक्ष राजनयिक हैं, और यदि वे रूस व यूक्रेन के राजी होने पर वाताओं में सहयोग का ऑफर देते तो अच्छा होगा। खबर में बताया गया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भारतीयों की प्रशंसा किए जाने के बाद जयशंकर रूस के दौरे पर हैं। गत 4 नवम्बर को रूस के एकीकृत विवस के मौके पर पुतिन ने कहा था कि "भारत में निःसन्देह इनती क्षमता है कि वह विकास के सन्दर्भ में उल्लेखनीय परिणाम हासिल कर सकता है। रूसी भाषा में मूल रूप से दिए गए इस भाषण रॉयटर एजेंसी द्वारा किए गए अंग्रेजी रूपांतरण के अनुसार रूस के राष्ट्रपति ने कहा कि "भारत विकास के उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करेगा, इसमें कोई संदेह नहीं और डेढ़ अरब लोग ही उसकी वह क्षमता है।"